NOTES FOR B.A.-II (HISTORY) HONOURS, 2020.

NOTES PREPARED BY →

DR. MANITA KUMARI YADAV
ASSISTANT PROFESSOR
DEPARTMENT OF HISTORY
VAISHALI MAHILA COLLEGE
HAJIPUR, BIHAR UNIVERSITY
MUZAFFARPUR.

Scanned with CamScanner

साम्राज्य विस्तार

स्थान	काल	हारने वाला शासक	मुगल सेना का नेतृत्व
मालवा	1561	बाज बहादुर (रूपमती)	आदम खान, पीर मोहम्मद
चुनार	1561		आसफ खान
गोंडवाना	1564	वीर नारायण की माँ / संरक्षिका दुर्गावती की	आसफ खान
आमेर	1562	भारमल	
मेड़ता	1562	जयमल	सरफुद्दीन
मेवाड़	1568	महाराणा प्रताप	अकबर स्वयं
हल्दीघाटी	1576	महाराणा प्रताप	मानसिंह
रणथम्भौर	1569	सुरजनराय हाडा	भगवान दास आमेर
कालिंजर	1569	रामचन्द्र	मजनू खाँ
मारवाड़	1570	चन्द्रसेन	
बीकानेर	1570	राय कल्याणमल	
जैसलमेर	1570	हरराय	
गुजरात	1571	मुजफ्फर खाँ III	खाने आजम (मिर्जा अजीज कोका)
गुजरात का II आक्रमण	1572	मिर्जा हुसैन मिर्जा	अकबर स्वयं
बंगाल एवं बिहार	1572	दाऊद खाँ	मुनीम खाँ
काबुल	1581	हकीम खाँ मिर्जा (कामरान का बेटा) बहन बख्तुन्निसा को यहाँ का सूबेदार बना दिया गया।	मुनीम खाँ, अकबर
कश्मीर	1586	युसुफ खाँ याकूब खाँ	कासिम खाँ, भगवान दास

Scanned with CamScanner

सिंध	1591	जानी बेग	अब्दुर्रहीमखानखाना
उड़ीसा	1591-92	निसार खाँ	मानसिंह
बलूचिस्तान	1595	पन्नी अफगान खान	मीर मासूम
कंधार	1595	मुजफ्फर हुसैन	शाहबेग
खानदेश	1591	अलीखाँ (स्वेच्छा से)	
अहमदनगर	1597-1600	बहादुर निजाम शाह चाँदबीबी संरक्षिका	शाहजादा मुराद/ अब्दुर्रहीम खानखाना
असीरगढ़ (अंतिम विजय)	1601	मीर बहादुर	अबुल फजल (घूसदेकर सेनापति को मिलाया था)

— भारमल ने स्वेच्छा से अधीनता स्वीकार कर ली तथा भारमल की बेटी जोधाबाई से विवाह कर लिया तथा भी बेटा भगवान दास तथा पोता मानसिंह को उच्च पद दिया, ये कच्छवाहा राजपूत थे।

अकबर के काल की महत्वपूर्ण घटना →

1560ई० - 62ई० → पेटीकोट सरकार का अस्तित्व

1562ई० → दास प्रथा का अंत

1563ई० → बनारस तथा प्रयाग में तीर्थयात्रा कर की समाप्ति

1564ई० → जजिया कर की समाप्ति

1571ई० → फतेहपुर सीकरी की स्थापना (इसका प्रारूप बहाउद्दीन ने तैयार किया था तथा इसे अपनी राजधानी बनाया।

1575ई० → फतेहपुर सीकरी में इबादत खाना का निर्माण

1578ई० → इबादत खाना को कर सभी धर्मों के लिए खोल दिया गया।

1579ई० → महजर की घोषणा

1582ई० → दीन-ए-इलाही (तौहीद-ए-इलाही)

दीन-ए-इलाही को धर्म कहकर सिर्फ एक पुस्तक में

संकलित किया गया है।

दबिस्ताँ – ए – मजाहिब → मोहसिन फानी

1583 ई० → रविवार को जीवह० पर प्रतिबंध

1583 ई० → इलाही संवत् जारी किया।

1584 ई० → गुजरात विद्रोह को दबाने के उपलक्ष्य में अब्दुर्रहीम को खानखाना की उपाधि दी।

1575 ई० – 76 ई० → संपूर्ण साम्राज्य को अकबर ने 12 सूबा में बाँटा।
दक्षिण विजय के पश्चात् इसकी संख्या 15 हो गयी, (खानदेश, अहमदनगर, बरार)

1582 ई० → टोडरमल के द्वारा दहसाला पद्धति आरंभ

1573 ई० – 74 ई० → गुजरात विजय के पश्चात् मनसबदारी व्यवस्था प्रारंभ अबु सईद के द्वारा किया गया